ओडीओपी से दिसंबर तक दस लाख लोगों को रोजगार : योगी

मुख्यमंत्री ने कहा– एक लाख करोड़ रुपये निवेश की योजना, होगा बड़ा आयोजन

- अवध शिल्पग्राम में आयोजित चिकन और जरदोजी समिट में बोले मुख्यमंत्री
- कारीगरों को दिया 1010 करोड़ रुपये का ऋण और टूल किट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि सरकार एक जिला-एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना में दिसंबर तक एक लाख करोड़ से अधिक निवेश कर दस लाख लोगों को रोजगार उपलब्ध कराएगी। योगी ने कहा कि हुनर प्रदर्शित करने के लिए सरकार ने मंच दिया है और शुरुआत के लिए बजट की भी कमी नहीं होने दी जाएगी।

मुख्यमंत्री रविवार को अवध शिल्पग्राम में ओडीओपी योजना के तहत आठ जिलों के चिकनकारी व जरी-जरदोजी से जुड़े हस्तशिल्पियों के समिट को संबोधित कर रहे थे। समिट में उन्नाव, बरेली, शाहजहांपुर, ललितपुर, बदायूं, चंदौली, कासगंज और लखनऊ के कारीगर शामिल हुए। योगी ने कहा कि इस योजना से एक लाख 65 हजार लोगों को रोजगार मिल चुका है। 24 जनवरी को जब राष्ट्रपति ने इसकी शुरुआत की तब 4500 हस्तशिल्पी जुड़े थे लेकिन, अब तक 11,755 हस्तशिल्पी जुड़ चुके हैं। इन कारीगरों को बैंकों के जरिये 1010 करोड़ रुपये ऋण और 120 को टूल्स किट उपलब्ध कराया गया। मुख्यमंत्री ने दस-दस उद्यमियों को प्रतीकात्मक रूप से ऋण के चेक और टूल्स किट दिए। योगी ने कहा कि सरकार इन हुनरमंदों के उत्पाद के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बाजार उपलब्ध कराकर बिचौलियों को किनारे कर देगी। आने वाला समय प्रदेश के उद्योगपतियों के लिए अनुकूल होगा।

समारोह में सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्योग मंत्री सत्यदेव पचौरी ने कहा कि पिछली सरकारों ने परंपरागत उद्योगों को आगे बढ़ाने की कोई योजना नहीं बनाई लेकिन, मुख्यमंत्री की प्रेरणा से यह संभव हो सका। मुख्य सचिव डॉ. अनूप चंद्र पांडेय ने कहा कि आने वाले दिनों में वाराणसी, कानपुर, गोरखपुर, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली और आगरा में भी समिट का आयोजन होगा। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा, चिकित्सा शिक्षा मंत्री आशुतोष टंडन, ग्राम्य विकास मंत्री डॉ. महेंद्र सिंह, अपर मुख्य सचिव अवनीश अवस्थी समेत कई प्रमुख लोग मौजूद थे। कई कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार रखे। मुख्यमंत्री ने 'चिकनकारी व जरी-जरदोजी' पर केंद्रित एक कैटलॉग का विमोचन किया।

रविवार को अवध शिल्पग्राम मे प्रदर्शनी देखते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ • हृदेश पटेल

ऑनलाइन बनेंगे हैसियत प्रमाण पत्र और विरासत

जासं, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को खरगापुर तहसील का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने हैसियत प्रमाण पत्र और विरासत बनवाने की ऑनलाइन व्यवस्था का शुभारंभ किया और बताया कि अब हैसियत प्रमाण पत्र और विरासत 20 दिन के भीतर आवेदक के हाथ में होगी। विस्तृत खबर >> 4

पिछली सरकारों ने युवाओं को पलायन के लिए किया मजबूर

योगी ने पिछली सरकारो पर तंज कसते हुए कहा कि यहां डेढ़ वर्ष पहले लोग निवेश के लिए नहीं आते थे क्योंकि डरते थे। पिछली सरकारों ने हुनर को भी खेमेबंदी में बांट दिया। लाखों नौजवानों को पलायन के लिए मजबूर किया लेकिन, आज निवेश की बेहतर संभावना बनी है। दिसंबर में एक बड़ा आयोजन करने की तैयारी है।

दिसंबर तक देंगे 10 लाख युवाओं को रोजगार : योगी

ओडीओपी प्रदर्शनी के शुभारंभ पर बोले सीएम- योजना से जोड़े जाएंगे 1.65 लाख हस्तशिल्पी

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि दिसंबर तक ओडीओपी योजना के तहत 10 लाख युवाओं को रोजगार दिया जाएगा। साथ ही 1.65 लाख हस्तशिल्पियों को इस योजना से जोड़ने का लक्ष्य है। वे अवध शिल्प ग्राम में 8 जिलों के उत्पादों की प्रदर्शनी के शुभारंभ पर हस्तशिल्पियों, निवेशकों और मार्केटिंग संस्थाओं के प्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे।

सीएम योगी ने कहा कि सभी 75 जिलों के परंपरागत उत्पादों को बढ़ावा देकर गांवों में ही रोजगार मुहैया कराने के लिए 'एक जिला, एक उत्पाद' योजना शुरू की है। देश के दूसरे राज्य भी यूपी की तर्ज पर इस योजना को शुरू कर रहे हैं। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा, प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशुतोष टंडन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री सत्यदेव पचौरी भी मौजूद थे।

प्रदर्शनी लगाने वाले कारीगरों को ऋण के चेक देते सीएम योगी आदित्यनाथ।

1 लाख करोड़ निवेश का लक्ष्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों के उद्यमियों को सुविधा न देने से वे पलायन कर रहे थे लेकिन अब वे निवेश के लिए लौट रहे हैं। सरकार के प्रयासों का ही नतीजा है कि अब तक करीब 75 हजार करोड़ रुपये का निवेश हो चुका है। इसे दिसंबर तक एक लाख करोड़ तक किया जाएगा जिससे 10 लाख युवकों को रोजगार मिलेगा।

1010 करोड़ के बांटे ऋण

सीएम ने प्रदर्शनी लगाने वाले लखनऊ, उन्नाव, ललितपुर, बदायूं, शाहजहांपुर, बरेली, चंदौली व कासगंज के 11755 कारीगरों के लिए 1010 करोड़ रुपये के ऋण के चेक जारी किए। उन्होंने 120 कारीगरों को चिकनकारी, जरी व जरदोजी के कार्य करने के लिए आधुनिक टूल किट वितरित किए।

>> चिकन कारीगरों को मिलेंगी हर तरह की सुविधाएं : पेज 7

'ओडीओपी से मिलेंगे 10 लाख रोजगार'

सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया ओडीओपी प्रदर्शनी का उद्घाटन

■ एनबीटी ब्यूरो, लखनऊ

'वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रॉडक्ट' योजना के तहत राज्य सरकार दिसंबर तक 10 लाख युवाओं को रोजगार देगी। हर जिले के परंपरागत उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई इस योजना में राज्य सरकार ने एक लाख करोड़ रुपये निवेश का लक्ष्य रखा है। अवध शिल्प ग्राम में चिकनकारी और जरी-जरदोजी के लिए आयोजित ओडीओपी प्रदर्शनी के उद्घाटन के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ ने इसका ऐलान किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 11,755 लाभार्थियों को बैंक लोन का चेक भी दिया। इस दौरान हस्तशिल्पियों को 1,010 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान चिकनकारी और जरी-जरदोजी में इस्तेमाल होने वाली टूल किट भी लाभार्थियों को दी गई। जनवरी में जब ओडीओपी समिट की शुरुआत की गई थी, तब 45,00 हस्तशिल्पियों को लोन देकर इस योजना से जोड़ा गया था।

अवध शिल्पग्राम में सीएम योगी आदित्यनाथ ने लाभार्थियों को चेक भी दिए।

योजना से जुड़ेंगे 1.65 लाख हस्तशिल्पी

जनवरी, 2018 में शुरू हुई ओडीओपी योजना से राज्य सरकार हर जिले के परंपरागत उद्योगों को जोड़ने का काम कर रही है। सीएम ने कहा कि इस योजना से प्रदेश के 1.65 लाख हस्तशिल्पियों को जोड़ा जाएगा। पहले हस्तशिल्पी कारोबार करने के लिए बैंक से लोन लेने जाते थे लेकिन उन्हें लोन नहीं मिलता था। अब इस योजना को मुद्रा योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना जैसी स्कीम से जोड़ने के चलते हस्तशिल्पियों को आसानी से बैंक ऋण मुहैया कराया जा रहा है।

उत्पादों की मार्केटिंग में मदद करेगी सरकार

परंपरागत उत्पादों का निर्माण करने वाले हस्तशिल्पियों और कारीगरों को उत्पादों के अच्छे दाम मिलें। इसके लिए राज्य सरकार ने ऑनलाइन मार्केटिंग कंपनी ऐमेजॉन, फर्नीचर के क्षेत्र में दुनिया की जानी-मानी कंपनी आइकिया समेत कई कंपनियों के साथ करार किया है। ये कंपनियां ओडीओपी उत्पादों की मार्केटिंग का काम करेंगी। साथ ही राज्य सरकार भी मदद करेगी। अभी तक मार्केटिंग न होने से कारीगरों और हस्तशिल्पियों को बेहतर दाम नहीं मिलते थे। जिसकी वजह से कारीगर परंपरागत उद्योगों से पलायन कर रहे थे।

'खेमेबाजी कर खत्म किया परंपरागत उद्योगों को'

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में परंपरागत उद्योगों की स्थिति इसलिए खराब हुई क्योंकि पिछली सरकारों ने उद्योगों को खेमेबाजी में बांटने का काम किया। इस कारण कुशल कारीगरों को अपने परंपरागत उद्योग छोड़कर प्रदेश से पलायन करने लगे। इसका खमियाजा प्रदेश को भुगतना पड़ा। कार्यक्रम के दौरान एमएसएमई मंत्री सत्यदेव पचौरी ने कहा कि परंपरागत उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए हर जिले में ओडीओपी से संबंधित कार्यक्रम किए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा, कैबिनेट मंत्री आशुतोष टंडन, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार महेन्द्र सिंह और मुख्य सचिव डॉ.अनूप चंद्र पांडे मौजूद थे।